vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- ith;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"k Z % 14 vad % 08 y[kuÅ] jfookj 28 eb 2023 l 06 tu 2023 rd i"B&8 eY; % ,d

अधीनम महंत ने सौंपा सेंगोल, PM मोदी बोले- इसे बताया गया था छड़ी, अब मिल रहा उचित स्थान

नई दिल्ली। नए संसद भवन में सेंगोल को स्थापित करने से पहले अधिनम महंतों का आशीर्वाद लेते हुए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तमिल परंपरा में शासन चलाने वाले को सेंगोल दिया जाता था, सेंगोल इस बात का प्रतीक था कि उसे धारण करने वाले व्यक्ति पर देश के कल्याण की जिम्मेदारी है और वो कभी कर्तव्य के मार्ग से विचलित नहीं होगा। आपका ये सेवक और हमारी सरकार अब उस सेंगोल को आनंद भवन से निकाल कर लाई है। आज आजादी के उस प्रथम पल को नए संसद भवन में सेंगोल की स्थापना के समय हमें फिर से

पुनर्जीवित करने का मौका मिला है। सेंगोल को प्रदर्शनी के लिए रख दिया गया था। आपका ये सेवक और हमारी सरकार अब उस सेंगोल को आनंद भवन से निकाल कर लाई है। आज आजादी के उस प्रथम पल को नए संसद भवन में सेंगोल की स्थापना के समय हमें फिर से पुनर्जीवित करने का मौका मिला है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम में तमिलनाडु की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारत की आजादी में तमिल लोगों के योगदान को वो महत्व नहीं दिया गया जो दिया जाना चाहिए था। अब भाजपा ने इस विषय को प्रमुखता से उठाना शुरू किया है।

'मोदी का भारत अलग है', एस जयशंकर बोले- उन्होंने हमें अगले २५ वर्षों के बारे में सोचने के लिए कहा है

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर गुजरात दौरे पर हैं। अहमदाबाद में श्मोदी का भारतरू एक उभरती हुई शक्तिश कार्यक्रम को उन्होंने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी का भारत अलग है...अपने ष्टिकोण में अलग है...भारत की राजनीति और नीतियों में अलग है। उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज मैं भारत को एक देश के तौर पर देखता हूं जिसके पास विजन है, जिसे पता है वो किस दिशा में जा रहा है, उसकी क्षमता क्या है। उन्होंने कहा कि पिछले २०–३० साल में ग्लोबलाइजेशन के चलते विश्व में पुनर्संतुलन आया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जो देश पहले विश्व पर हावी थे, वे अब उस स्तर पर हावी नहीं रहे। अपने संबोधन में जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी ने हमें थोड़ा अलग तरीके से सोचने के लिए कहा, उन्होंने हमें अगले साल या अगले दशक के बारे में सोचने के लिए नहीं कहा ... उन्होंने हमें अगले २५ वर्षों के बारे में सोचने के लिए कहा है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि भारत सरकार का प्रतिनिधिमंडल जहां भी जाता है, लोग भारत में आए बदलाव की बात करते है और जानना चाहते हैं कि देश किस तरह बड़े पैमाने पर कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रहा है। प्रधानमंत्री के

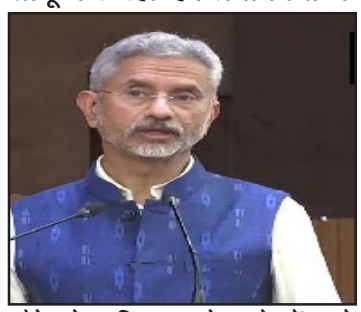

दौरे के परिणाम के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने कहा था प्रधानमंत्री ने हाल में जापान, पापुआ न्यू गिनी और अ स्ट्रेलिया का दौरा किया। आमतौर पर, हम ऐसी यात्राओं के दौरान विश्व राजनीति और कूटनीति से जुड़े मुद्दों पर बात करते हैं। लेकिन अब हम जहां भी जाते हैं, उस देश के लोग भारत के बदलाव की बात करने लगते हैं। वे यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि भारत जनहितैषी योजनाओं को बड़े पैमाने पर कैसे लागू कर रहा है।

नीति आयोग की बैठक पर अखिलेश यादव का तंज, बोले- नीचे से कामयाबी हासिल कर रहा है उत्तर प्रदेश

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अद्यक्षता में आज नीति आयोग की आठवीं बैठक हुई। इसमें कई राज्यों के मुख्यमंत्री शमिल हुए। इसके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने भी हिस्सा लिया। अब इसी को लेकर अखिलेश यादव ने तंज कसा। अखिलेश ने कहा कि नीति आयोग में उत्तर प्रदेश नीचे से कामयाबी हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि जो मुख्यमंत्री नहीं गए उनके साथ नीति आयोग भेदभाव कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूरा उत्तर प्रदेश बेरोजगार घूम रहा है और आप नई बिल्डिंग बना रहे हो। लोकतंत्र में अगर विपक्ष का सम्मान नहीं है तो लोकतंत्र किस बात के लिए है। आपको बता दें कि कई विपक्ष शासित राज्यों के मुख्यमंत्री आज की बैठक में शामिल नहीं हुए। नीति आयोग के CEO बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि आज नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में इज ऑफ डूइंग बिजनेस, स्वस्थ्य, डैडम्,

महिला सशक्तिकरण, इंफ्रास्ट्रक्चर और PM गतिशक्ति पर चर्चा की गई। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नीति आयोग की शासी परिषद् की आठवीं बैठक को संबोधित किया। राजधानी नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सात बिंदुओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों को नीति आयोग के सामने रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री के आह्वान पर देशवासी पंचप्रण के साथ एक विकसित भारत के निर्माण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश लगभग २५ करोड़ आबादी का राज्य न केवल भारत का सबसे बड़ा उपभोक्ता एवं श्रम बाजार है अपितु गंगा, यमुना व सरयू जैसी सतत् प्रवाहित नदियों के उपजाऊ मैदानों के साथ प्रचुर प्रोंतिक संसाधन से संतृप्त भी है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपराध एवं भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति है।

मोदी के नेतृत्व में देश ने प्रत्येक क्षेत्र में उपलब्धि हासिल की : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन ने उत्तर प्रदेश को २०४७ तक भारत को एक विकसित देश बनाने के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सशक्त किया है। दिल्ली में नीति आयोग के शासी परिषद की आठवीं बैठक में आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि पिछले नौ वर्षों में, दुनिया ने एक नया भारत देखा और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन ने उत्तर प्रदेश को २०४७ तक भारत को एक विकसित देश बनाने के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सशक्त किया है। दिल्ली में नीति आयोग

के शासी परिषद की आठवीं बैठक में आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि पिछले नौ वर्षों में, दुनिया ने एक नया भारत देखा और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं।

मोदी–योगी के खिलाफ नारे लगाये जा रहे हैं : बृजभूषण शरण सिंह

बलरामपुर। सात महिला पहलवानों के कथित यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में जंतर–मंतर पर चल रहे पहलवानों के आंदोलन में प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ नारे लगाए जा रहे हैं। कैसरगंज से भारतीय जनता पार्टीके सांसद सिंह ने कहा, यह आंदोलन दिल्ली से चलकर पंजाब और खालिस्तान की तरफबढ़ रहा है। इस आंदोलन में प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ नारे लगाए जा रहे हैं।

योध्या में पांच जून को होने वाली संतों की रैली की तैयारी को लेकर शुक्रवार को बलरामपुर पहुंचे भाजपा सांसद ने आगे कहा, बजरंग पूनिया सिर काटने की बात करते हैं, यह उनकी नहीं किसी और की है। उन्होंने कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और किसान नेताओं पर हमला करते हुए सवाल उठाया कि क्या सिर काटने की का ये लोग समर्थन करते हैं। विनेश फोगाट और ओलंपिक पदक विजेता बजरंग, साक्षी मलिक सहित देश के शीर्ष पहलवान २३ अप्रैल से दिल्ली के जंतर–मंतर पर धरना दे रहे हैं, जिसमें एक नाबालिग सहित सात महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में सिंह की गिरफ्तारी की मांग की गई है।

सम्पादकीय

प्रयास के दूरगामी परिणाम

यूरेशियन इक नमिक यूनियन (यूएईयू) का ब्रिक्स और एससीओ से अंतर्संबंध बनाने के प्रयास के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। यहां मंगलवार से शुरू हुए दो दिन के यूरेशियन इक नमिक फोरम में ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के साथ अंतर्संबंध बनाने पर चर्चा एक प्रमुख एजेंडा है। यूरेशियन इक निक फोरम का आयोजन यूएईयू करता है। यह एक मुक्त व्यापार क्षेत्र है, जिसमें रूस, अर्मीनिया, बेलारुस, कजाखस्तान और किर्गिजस्तान शामिल हैं। रूस ब्रिक्स का भी सदस्य है, जिसमें उसके अलावा भारत, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। एससीओ में रूस, चीन, भारत के साथ–साथ कजाखस्तान, किर्गिजस्तान,पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान भी शामिल हैं। ईरान को जल्द ही इसकी पूर्ण सदस्यता मिलने वाली है। जबकि अफगानिस्तान, अजरबैजान, बहरीन और मंगोलिया ने एससीओ की पूर्ण सदस्यता पाने की इच्छा जताई है। इनके अलावा १४ देश एससीओ के डायल ग पार्टनर हैं, जिनमें सऊदी अरब, तुर्किये, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र भी शामिल हैं। अगर धरती के भूगोल पर गौर करें, तो ये तमाम देश उसके बहुत बड़े हिस्से पर मौंजूद नजर आएंगे। जनसंख्या के लिहाज से तो उनका वर्चस्व ही नजर आएगा। इन संगठनों के सदस्यों का इस समय विश्व जीडीपी में हिस्सा ३० प्रतिशत से ज्यादा है। साल २०३५ तक इसमें सिर्फ ब्रिक्स का हिस्सा ५० प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। अगर ईएईयू की यह पहल कामयाब रही, तो उससे दुनिया में नया शक्ति संतुलन कायम करने की दिशा में हो रहे प्रयासों को एक बड़ा बल मिलेगा। मास्को बैठक में तीनों संगठनों के सदस्य देशों के बीच मौद्रिक और वित्तीय सहयोग की संभावनाओं को भी एजेंडे में रखा गया है। मकसद है आपसी व्यापार में भुगतान की नई व्यवस्था बनाने की दिशा में बढ़ना। यानी अंतरराष्ट्रीय कारोबार में अमेरिकी मुद्रा ड लर के वर्चस्व को तोड़ना। जाहिर है, ऐसी कोशिशों के दूरगामी परिणाम होंगे। इस बीच ब्रिक्स के विस्तार की चर्चा भी अब जोर पकड़ती जा रही है। जून के पहले हफ्ते में दक्षिण अफ्रीका में होने वाली ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में इसकी कोई ठोस तस्वीर उभर सकती है। कई नए देशों को ब्रिक्स की सदस्यता मिल सकती है। ऐसा हुआ, तो यह अपने–आप में एक बड़ा घटनाक्रम होगा।

मशहूर शायर मुनव्वर राना की हालत नाजुक

लखनऊ। मशहूर शायर मुनव्वर राना की हालत बहुत नाजुक है। उन्हें लखनऊ स्थित अपोलो अस्पताल में जीवनरक्षक प्रणाली पर रखा गया

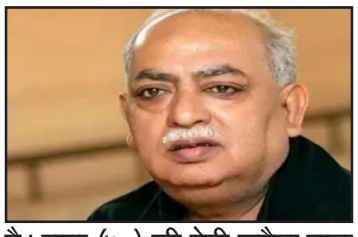

है। राना (७०) की बेटी सुमैया राना ने बृहस्पतिवार को बताया कि उनके पिता का पिछले मंगलवार को अपोलो अस्पताल में पित्ताशय का अ परेशन हुआ था जिसके बाद से उनकी तबीयत बिगड़ गई। सुमैया के अनुसार, उन्हें जीवनरक्षक प्रणाली पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि गले के कैंसर से पीड़ित राना का डायलिसिस भी होता है। अस्पताल में डायलिसिस के लिए लाने पर उन्हें हो रही दिक्कत के मद्देनजर उनका सीटी स्कैन कराने पर पता लगा कि पथरी की वजह से उनका पित्ताशय बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। परसों उनका अ परेशन किया गया लेकिन फिर उनकी तबीयत संभल नहीं पा रही। गौरतलब है कि रायबरेली जिले के मूल निवासी मशहूर शायर मुनव्वर राना को वर्ष २०१४ में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। 'मां' पर लिखी अपनी रचनाओं से शायर राना ने देश–विदेश में खूब ख्याति अर्जित की।

महापौर सुषमा खरकवाल ने नगर निगम मुख्यालय पर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण किया

लखनऊ। महापौर सुषमा खरकवाल ने शनिवार को नगर निगम मुख्यालय स्थित कार्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रथम तल पर स्थित अधिकारियों के कमरों और भूतल पर स्थित जोन एक के कार्यालयों का निरीक्षण किया। अलमारियों के ऊपर उन्हें गंदगी मिली। प्रथम तल पर स्थित पार्षद कक्ष के निरीक्षण में उन्हें कुर्सियां खराब मिलीं और शौचालय में भी गंदगी देखने को मिली, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए पार्षदों के कक्ष का अधिकारियों के कमरों की तरह रिनोवेशन कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उद्यान अधीक्षक गंगाराम गौतम और जोन एक के नगर अभियंता डीडी गुप्ता गायब मिले। जिस पर उन्होंने नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह से जवाब तलब किया।

स्कूली बच्चों के शोषण पर योगी सरकार सख्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत बच्चों के शारीरिक व मानसिक शोषण एवं यौन उत्पीड़न संबंधी घटनाओं को रोकने के लिए तय गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के खिलाफ होने वाली घटनाओं के संबंध में २०१५ में एक विस्तृत गाइडलाइंस तैयार की गई थी। अब योगी सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों से इस गाइडलाइंस का कड़ाई से पालन करने को कहा है। राज्य परियोजना निदेशक विजय किरण आनंद ने प्रदेश के सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र

भेजकर इस संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि समस्त प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कंपोजिट विद्यालयों एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में गाइडलाइंस का पालन किया जाए। साथ ही सभी प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, स्टाफ, वार्डेन एवं विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों को भी इन गाइडलाइंस का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराएं। गाइडलाइंस जारी करने का उद्देश्य प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा संरक्षित करने तथा बाल अपराध एवं असंवैधानिक कृतियों की रोकथाम और स्कूल जाने वाले बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न से रक्षा करना है। साथ ही इसमें शैक्षणिक संस्थानों का उत्तरदायित्व भी निर्धारित किया गया है।

यूपी में चौथे साल नहीं बढ़ेंगी बिजली की दरें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार चौथे साल बिजली के बिल का अतिरिक्त बोझ उपभोक्ताओं की जेब पर नहीं पड़ेगा। विद्युत नियामक आयोग ने बिजली कंपनियों के १८ से २३ प्रतिशत की बिजली दरों में बढोतरी के प्रस्ताव को खारिज कर बिजली दरों में कोई भी बदलाव न करने का फैसला किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि नोएडा पावर कंपनी क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं की बिजली दरों में १० प्रतिशत की कमी की गयी है जबकि विद्युत नियामक आयोग ने बिजली कर्मचारियों यानी विभागीय कार्मिकों को बिजली के बिल में दी जा रही रियायतों को खत्म करते हुये सभी के घरों मे अनिवार्य रूप से मीटर लगाने का भी आदेश जारी किया है। नियामक आयोग के फैसले से बिजली दरों में बढोत्तरी की अटकलें स्वतरू समाप्त हो गयी है। वर्तमान में घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिये १०० यूनिट तक बिजली खर्च करने वाले ५.५० रूपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिल का भुगतान करते हैं जबकि १०१ से १५० यूनिट तक बिजली का खर्च भी ५.५० रूपये के हिसाब से होता है हालांकि १५१ से ३०० यूनिट तक के लिये बिजली की दरें छह रूपये प्रति यूनिट और ३०० यूनिट से अधिक के लिये ६.५० रूपये प्रति यूनिट के हिसाब से हैं। गरीबी रेखा के नीचे गुजर बसर करने वाले

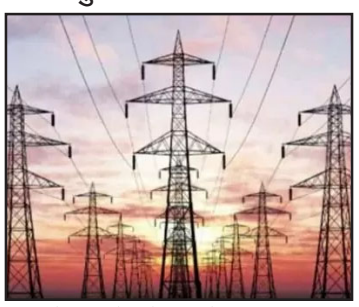

उपभोक्ताओं के लिये बिजली की दरे १०० यूनिट तक तीन रूपये प्रति यूनिट निर्धारित हैं। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष और राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि विद्युत नियामक आयोग ने उपभोक्ता परिषद की ज्यादातर मांगों को मान लिया है, जिस प्रकार से नोएडा पावर कंपनी के क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं की बिजली दरों में १० प्रतिशत की कमी की गई है, यदि उसी प्रकार पावर कारपोरेशन द्वारा विद्युत नियामक आयोग में उपभोक्ताओं के निकल रहे रुपया २५१३३ करोड पर अपीलेट ट्रिब्यूनल में मुकदमा दाखिल करने का शपथ पत्र दाखिल किया गया होता तो आज प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं की भी बिजली दरों में भी भारी कमी हो जाती लेकिन उपभोक्ता परिषद की यह सबसे बडी जीत है कि प्रदेश में उपभोक्ताओं के निकल रहे सरप्लस पर नोएडा पावर कंपनी में बिजली दरें कम करके आगे का रास्ता खोल दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां पिछले ४ वर्षों से बिजली दरों में उपभोक्ता परिषद की लडाई के चलते कोई भी बढोतरी नहीं हो पाई है, दूसरी तरफ प्रदेश की बिजली कंपनियों पर इस बार फिर लगभग ७६८८ करोड उपभोक्ताओं का ही सर प्लस निकल आया है। विद्युत नियामक आयोग ने बिजली कर्मचारियों यानी कि विभागीय कार्मिकों का जो एलघ्मवी १० था उसे टैरिफ शिडूल्ड से बाहर कर दिया है और अब सभी बिजली कार्मिक घरेलू विद्युत उपभोक्ता की श्रेणी में आएंगे सभी बिजली कार्मिकों के घरों पर अनिवार्य रूप से मीटर लगाने का आदेश भी जारी किया गया है।

शांति यात्रा निकालने नंगे पांव चल पड़े अमिताभ ठाकुर

लखनऊ । आजाद अधिकार सेना की राज्य स्तरीय बैठक शनिवार को राजधानी के हजरतगंज स्थित प्रेस क्लब में आयोजित हुई । जिसमें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए हुए पार्टी के पदाधिकारी शामिल हुए। इससे पहले पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने कल लखनऊ पुलिस द्वारा पार्टी के हजरतगंज चौराहे से प्रेस क्लब तक के शांति यात्रा की मनाही करने के विरोध में नंगे पांव अकेले हजरतगंज चौराहे से प्रेस क्लब तक की यात्रा की। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने अपने अपने जिले की स्थिति सामने रखी और पार्टी के विकास में होने वाली बाधा और पार्टी की आगे की रणनीति पर चर्चा की।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने कहा कि आजाद अधिकार सेना मुख्य रूप से अन्याय, अत्याचार और भ्रष्टाचार के विरोध के लिए बनी है तथा आम नागरिकों के अधिकारों के रक्षा के लिये बनी है। उन्होंने कहा कि पार्टी २०२४ के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार और दिल्ली में भी अपने प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारेगी। उन्होंने मौजूदा सरकार को पूरी तरह दमनकारी और तानाशाही बताया है। डॉ नूतन ठाकुर ने कहा कि पार्टी को आरटीआई, जनसुनवाई पोर्टल आदि का व्यापक उपयोग कर लोगों की सहायता करनी चाहिए। बैठक में पूरे प्रदेश के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

टेबल टेनिस में चितकारा यूनिवर्सिटी और एसआरएम यूनिवर्सिटी ने जीते खिताब

लखनऊ। चितकारा यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के लड़कों और एसआरएम यूनिवर्सिटी चेन्नई की लड़कियों ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स–२०२२ में शनिवार को टेबल टेनिस के मुकाबलों में खिताबी जीत दर्ज की। बीबीडी यूपी बैडमिंटन अकादमी के हाल में खेले गए फाइनल मुकाबलों में पुरुष वर्ग के फाइनल में चितकारा यूनिवर्सिटी ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को ३–० से हराया। दूसरी ओर महिला वर्ग के फाइनल में एसआरम यूनिवर्सिटी ने एडमस यूनिवर्सिटी, कोलकाता के खिलाफ ३–० से खिताबी जीत दर्ज की। फाइनल का पहला मुकाबला चितकारा के यशांश मलिक और चंडीगढ़ के दिव्यांश श्रीवास्तव के बीच खेला गया। यह मुकाबला यशांश मलिक ने ११–४,११–७, २–११,११–६ से जीता। इसके बाद दूसरे एकल मुकाबले में जीत चंद्रा ने जश मोदी को ३–११, १०–१२, ११–६,११–७,११–८ से मात दी। अंतिम एकल में चितकारा के वेस्ली डो रोसारियो ने खेलेंद्रजीत यंगखोम को

११–८,११–२,११–६ से हराया। इसके साथ ही चितकारा यूनिर्सिटी ने पुरुष टेबल टेनिस मुकाबले का स्वर्ण जीत लिया। इस वर्ग का कांस्य पदक यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास और गुजरात यूनिवर्सिटी ने साझा किया। इससे पहले खेला गया महिला टीम चौंपियनशिप का फाइनल भी एकतरफा रहा। पहले मैच में एसआरएम की वी. कौशिका ने दीपानविता बसु को ११–७, ११–६, १२–१० से हराया। दूसरे मैच में एसआरएम की काव्याश्री ने मुनमुन कुंडू को ११–८, १२–१०, ११–७ से हराया। तीसरे मैच में एस. ग्लैडलिन फ्लोरा ने श्रेया घोष को ८–११,११–५,११–८, ४–११, ११–५ से हराया। इस वर्ग में चितकारा यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता को संयुक्त कांस्य पदक मिला। इसके साथ ही इकाना स्पोर्ट्स सिटी के इंडोर हाल में खेले जा रहे वॉलीबॉल के पुरुष व महिला वर्ग के फाइनल मुकाबलों की लाइन अप तय हो गयी। महिला वर्ग का फाइनल पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला और एडमस यूनिवर्सिटी के मध्य होगा जबकि पुरुष वर्ग में मैंगलोर यूनिवर्सिटी और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के बीच खिताबी भिड़ंत होगी। महिला व लीबॉल के सेमीफाइनल में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ को ३–१ (२५–२१, १६–२५, २५–१७, २५–१०) से और एडमस यूनिवर्सिटी ने एसआरएम यूनिवर्सिटी को ३–१ (१३–२५, २५–१७, २५–१६, २५–१७) से हराया। पुरुष वॉलीबॉल के सेमीफाइनल में मैंगलोर यूनिवर्सिटी ने एसआरएम यूनिवर्सिटी को ३–१ (२५–२०, १४–२५, २५–१७, ३०–२८) से और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने मद्रास विश्वविद्यालय को ३–० (२५–१६, २५– १६, २५–२१) से हराया। पुरुष ह की के गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के मेजर ध्यानचंद सिंथेटिक हॉकी स्टेडियम में खेले गए मुकाबलो में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी को ३–१ से, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला ने सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी पुणे को ७–१ से और जीएनडीयू, अमृतसर ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी को ४–० से हराया। दूसरी ओर संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा और पूर्वांचल यूनिवर्सिटी के मध्य खेला गया मैच १–१ से ड्रा रहा।

लखनऊ- कानपुर मार्ग पर लंबा जाम, जाम में फंसे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

लखनऊ। लखनऊ– कानपुर मार्ग पर शनिवार दोपहर लंबा जाम लग गया। इस जाम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक स्वयं फंस गये। लखनऊ के सरोजनी नगर क्षेत्र स्थित हाइवे पर लगे लंबे जाम के चलते उप मुख्यमंत्री के कई किलोमीटर पैदल चलने की बात सामने आ रही है। बताया तो यहां तक जा रहा है कि इस दौरान जाम में फंसी एंबुलेंस को निकालने के लिए उप मुख्यमंत्री ने खुद कमान हाथ में ली और एंबुलेंस को जाम से बाहर निकलवाया। दरअसल, शनिवार दोपहर अचानक मौसम बिगड़ने से आसमान में कुछ देर के लिए अंधेरा छा गया। कुछ समय में ही आई तेज आंधी–पानी ने राजधानी में कई जगहों पर पेड़ों को नुकसान पहुंचाया है। पेड़ों के टूट कर गिरने से कई जगहों पर जाम की स्थिति बनी। लखनऊ पुलिस की माने तो कुछ इसी तरह की हालत लखनऊ – कानपुर मार्ग पर भी देखने को मिली। आंधी के चलते लखनऊ– कानपुर मार्ग पर एक पेड़ टूट कर गिर पड़ा। जिसको हटाने में पुलिस को करीब २० मिनट का समय लग गया। जिसके चलते मार्ग पर लंबा जाम लग गया। इसी जाम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी फंस गये। बताया जा रहा है कि उप मुख्यमंत्री कानपुर नगर निगम के शपथ ग्रहण समारोह से वापस लौट रहे थे। जब वह जाम में फंस गये।

तेज आंधी से प्राणी उद्यान परिसर की व्यवस्था अस्त-व्यस्त

लखनऊ । शनिवार दोपहर करीब १२:३० बजे अचानक मौसम बिगड़ने से आये तेज आंधी–तूफान के चलते नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान परिसर की व्यवस्था भी अस्त व्यस्त हो गई। प्राणि उद्यान के हिरन बाड़ा, पक्षी बाड़ा, तेंदुआ बाड़ा, ल यन हाउस तथा भालू बाड़े समेत विभिन्न स्थानों पर पेड़–पौधे गिर गये। प्राणि उद्यान के निदेशक वीके मिश्र ने बताया कि कुछ पेड़ बालरेल के ट्रैक पर आ गिरे, जिससे बालरेल का संचालन कुछ समय के लिए रुक गया। पूरे प्राणि उद्यान की व्यवस्था अस्त–व्यस्त हो गयी। जैसे ही तूफान रूका, तुरन्त कर्मचारियों को निर्देश दिया गया कि मुस्तैदी के साथ गिरे हुए पेड़–पौधों को हटाया जाए, जिससे भ्रमण करने आए दर्शकों को और वन्यजीवों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। कुछ ही देर में बालरेल का संचालन सुचारू रूप से प्रारम्भ कर दिया गया। वहीं प्राणि उद्यान के अन्य स्थानों पर गिरे हुए पेड़ों को हटाने का कार्य शुरू किया ताकि रास्ते साफ हो जाएं और किसी को भी असुविधा न हो। प्राणि उद्यान के कर्मचारियों द्वारा इस कार्य को बहुत ही तेजी के साथ किया गया और कुछ ही समय में लगभग सभी कार्य सुचारू रूप से संचालित होने लगे। निदेशक वीके मिश्र ने इस कार्य के लिए कर्मचारियों की सराहना की।

एसजीपीजीआई में सफाई कर्मचारियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

लखनऊ। पूरी दुनिया में २७ मई को प्रत्येक वर्ष इंटरनेशनल इमरजेंसी मेडिसिन डे मनाया जाता है। इसका उद्देश्य चिकित्सकों और आम लोगों को इमरजेंसी मेडिसिन के प्रति जागरूक करना है। इस साल का थीम है "आपकी सुरक्षा, हमारी प्राथमिकता"। इस अवसर पर संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के इमरजेंसी मेडिसिन विभाग ने समाज के हाशिये पर जीवन यापन करने वाले सफाई कर्मियों के लिए रक्त चाप परीक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया। विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ओपी संजीव ने बताया कि जागरूकता की कमी के कारण समाज का हाशिये पर पड़ा वर्ग उच्च रक्तचाप जैसी रोकी जा सकने योग्य बीमारियों से ग्रसित होते हुए अनभिज्ञ रहता है और कभी अचानक ही हार्ट अटैक या लकवा का शिकार बन जाता है। इस दिशा मे उन्हें जागरूक करने के लिये हाउसकीपिंग स्टाफ को हाइपरटेंशन से बचाव के बारे में बताया गया। उच्च रक्तचाप को रोकने के लिए स्वस्थ भोजन की आदत, पर्याप्त घंटे की नींद, नियमित व्यायाम और आहार में

कम नमक का सेवन जैसी जीवन शैली में संशोधन की आवश्यकताओं पर जोर दिया। डाक्टर संजीव ने बताया कि इमरजेंसी मेडिसिन, चिकित्सा विज्ञान की एक विशिष्ट विधा है। इमरजेंसी में पहुँचे रोगियों का इलाज इस विभाग के स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स द्वारा किया जाता है। इस विभाग को संक्षेप में **EM** या **ED** भी कहतें है। इस विभाग के विशेषज्ञ को इमरजेंसी फिजीशियन भी कहा जाता है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने २००६ में इस विषय को एक अलग विशेषता के रूप में मान्यता दी। यह विशेषता हमारे देश में विकास के चरण में है। इन दिनों देश और राज्य के कई मेडिकल कॉलेज इस पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल कोर्स को चला रहे हैं। जहाँ नए डॉक्टरों को इस विशिष्ट विधा की ट्रेनिंग दी जाती है। इमरजेंसी मेडिसिन स्पेशिएलिटी अतिशीघ्र इलाज के लायक बीमारियों जैसे हार्ट अटैक, लकवा, जहरीला पदार्थ ग्रहण, ट्रामा का तुरंत इलाज शुरू करता है और आगे जरुरत के हिसाब से अन्य विशेषज्ञ विभागों की सलाह भी ली जाती है। आपात स्थिति में चिकित्सकों और मरीज के परिजनों दोनो से ही त्वरित, परन्तु धैर्य रखते हुए कार्य की अपेक्षा की जाती है, जिससे रोगी को शीघ्र उचित इलाज मिल सके।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन व मुशायरे का आयोजन

लखनऊ। गोमती नगर स्थित संगीत नाटक अकादमी में शनिवार की शाम अखिल भारतीय कवि सम्मेलन और मुशायरे का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मंजर भोपाली, शम्भू शिखर और मनीष शुक्ला सरीखे रचनाकार शामिल हुए। कवि सम्मेलन और मुशायरे में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अरविन्द गोप ने कहा कि शायर और कवि समाज का दर्पण होते हैं। यह जनसामान्य की पीड़ा का मुद्दा उठाते हैं और जिम्मेदारों को आइना दिखाने का काम करते हैं। यह आयोजन नदीम फार्रुख और आफताब अल्वी ने किया था। अरविन्द सिंह गोप ने कहा कि हमारे जीवन में जितना हिन्दी का महत्व है उतना ही उर्दू का भी महत्व है। इसी वजह से हमारी जो तहजीब है वह गंगा जमुनी तहजीब है। हमारा शहर लखनऊ यूं भी तहजीब का शहर कहा जाता है। यहां पर हिन्दी–उर्दू के समागम का जो यह आयोजन हुआ है उससे एकता और भाईचारे का सन्देश पूरी प्रदेश में जायेगा। उर्दू और

हिन्दी में रचनाकारों ने एक ही मंच से जो सन्देश देने की कोशिश की है उसने यह बात साफ कर दी है दोनों भाषाओं का महत्वपूर्ण स्थान है। दोनों साथ न हों तो हम अधूरे हैं। हिन्दी और उर्दू का एक साथ आनन्द लेने से समाज में अपनत्व और भाईचारा बढ़ता है। कार्यक्रम में सांसद पीएल पुनिया भी मौजूद थे।

पीएम मोदी के मंत्र से यू०पी० बना उद्योगों का ड्रीम डेस्टिनेशन, मुख्यमंत्री योगी ने नीति आयोग की बैठक में रखी राज्य की उपलब्धियां

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नीति आयोग की शासी परिषद् की आठवीं बैठक को संबोधित किया। राजधानी नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सात बिंदुओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों को नीति आयोग के सामने रखा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र को अंगीकार करते हुए उत्तर प्रदेश, देश में औद्योगिक निवेश के ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। उन्होंने एमएसएमई, महिला सुरक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, पीएम गति शक्ति, स्वास्थ्य एवं पोषण पर चरणवार यूपी की उपलब्धियां गिनाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री के आह्वान पर देशवासी पंचप्रण के साथ एक विकसित भारत के निर्माण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश लगभग २५ करोड़ आबादी का राज्य न केवल भारत का सबसे बड़ा उपभोक्ता एवं श्रम बाजार है अपितु गंगा, यमुना व सरयू जैसी सतत् प्रवाहित नदियों के उपजाऊ मैदानों के साथ प्रचुर प्राकृतिक संसाधन से संतृप्त भी है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपराध एवं भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति है। उन्होंने कहा कि देश की जीडीपी में उत्तर प्रदेश का योगदान ८ प्रतिशत से अधिक है। प्रधानमंत्री के देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर बनाने के लक्ष्य के क्रम में अगले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश का एक ट्रिलियन डॉलर का योगदान देने का संकल्प

लिया है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में फरवरी में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट– २०२३ में आयोजित निवेश महाकुम्भ में लगभग ३५ लाख करोड़ रुपये के २२,००० से अधिक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जिनमें १ करोड़ से अधिक रोजगार के अवसरों के सृजन की सम्भावना है। विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ६६ लाख इकाइयों के साथ उत्तर प्रदेश में देश की सर्वाधिक एमएसएमई इकाइयां हैं। प्रदेश सरकार इस सेक्टर के विकास के लिए निरन्तर प्रयासरत् एवं प्रतिबद्ध है। प्रदेश का प्रत्येक जनपद अपने परम्परागत उत्पाद की विशिष्ट पहचान रखता है। प्रदेश सरकार ने इसे ओडीओपी के रूप में नई ऊंचाइयां प्रदान करने का कार्य किया है। सीएम योगी ने कहा कि विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रयागराज को हल्दिया बन्दरगाह तक राष्ट्रीय जलमार्ग–१ का वाराणसी से हल्दिया तक का भाग संचालित है। १३ वर्तमान एवं प्रस्तावित एक्सप्रेस–वे के साथ उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस–वे प्रदेश के रूप में विकसित हो रहा है। प्रदेश में ३ अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट संचालित हैं, अयोध्या तथा नोएडा में २ नए अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट निर्माणाधीन हैं। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स नीति, सिटी डेवलपमेन्ट प्लान, स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) की चर्चा की। मुख्यमंत्री ने अनुपालनों (कम्प्लाएंस) के न्यूनीकरण की चर्चा करते हुए कहा कि लगभग ४० विभागों के ४,०६४ अनुपालनों को कम किया गया। साथ ही ५७७ अनुपालनों को निरपराधीकरण श्रेणी के अन्तर्गत कम किया गया। इसके अलावा ६४७ अनुपयोगी अधिनियम/विनियम/नियम आदि समाप्त किये गये हैं। महिला सशक्तिकरण की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले ६ वर्षों में महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देने के लिये व्यापक प्रयास किये गये हैं। भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को लगातार दो वर्षों (२०२१ और २०२२) में अभियोजन के लिए आईसीआईएस के कार्यान्वयन में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। स्वास्थ्य एवं पोषण पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विगत ६ वर्षों में संचारी रोगों के नियंत्रण, विशेष रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश में जेई और एईएस रोग की रोकथाम में अभूतपूर्व सफलता मिली। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत लगभग २१.४० लाख गरीब लाभार्थियों का उपचार किया गया है। साथ ही १ करोड़ से अधिक परिवारों को आयुष्मान कार्ड वितरित किया गया है।

(कम्प्लाएंस) के न्यूनीकरण की चर्चा करते हुए कहा कि लगभग ४० विभागों के ४,०६४ अनुपालनों को कम किया गया। साथ ही ५७७ अनुपालनों को निरपराधीकरण श्रेणी के अन्तर्गत कम किया गया। इसके अलावा ६४७ अनुपयोगी अधिनियम/विनियम/नियम आदि समाप्त किये गये हैं। महिला सशक्तिकरण की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले ६ वर्षों में महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देने के लिये व्यापक प्रयास किये गये हैं। भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को लगातार दो वर्षों (२०२१ और २०२२) में अभियोजन के लिए आईसीआईएस के कार्यान्वयन में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। स्वास्थ्य एवं पोषण पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विगत ६ वर्षों में संचारी रोगों के नियंत्रण, विशेष रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश में जेई और एईएस रोग की रोकथाम में अभूतपूर्व सफलता मिली। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत लगभग २१.४० लाख गरीब लाभार्थियों का उपचार किया गया है। साथ ही १ करोड़ से अधिक परिवारों को आयुष्मान कार्ड वितरित किया गया है।

भाजपा का गांव–गरीब से सम्पर्क टूट चुका है : अखिलेश यादव

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर ३० मई से महाजनसंपर्क अभियान की शुरुआत करेगी। एक बयान में यह जानकारी दी गई। बृहस्पतिवार को जारी एक बयान के अनुसार इस अभियान को सफल बनाने के लिए केन्द्रीय मंत्रियों सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को अलग–अलग लोकसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि यह महाजनसम्पर्क अभियान बता रहा है कि भाजपा का गांव–गरीब से सम्पर्क टूट चुका है। यादव ने ट्वीट किया, ''उप्र में भाजपा के सांसदों और विधायकों ने काम किया होता तो भाजपा को अपने महा जनसम्पर्क अभियान के लिए बाहर से मंत्रियों को न बुलाना पड़ता। भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ता भी इसीलिए निराश व निष्क्रिय हैं। ये महा जनसंपर्क अभियान बता रहा है कि भाजपा का गाँव–गरीब से सम्पर्क टूट चुका

है।'' भाजपा मुख्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अभियान की सफलता के लिए पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक अभियान की तैयारियों को लेकर अनवरत समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे हैं। भाजपा की प्रदेश इकाई के महामंत्री संजय राय ने बताया कि केन्द्रीय ऊर्जा, नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह कानपुर, अकबरपुर, जालौन तथा झांसी लोकसभा क्षेत्र के समूह प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे। इनके साथ सांसद व गुजरात के प्रदेश महामंत्री विनोद चावड़ा भी रहेंगे। केन्द्रीय विदेश, संसेंति, राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी आगरा, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद तथा एटा लोकसभा क्षेत्र के समूह प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभालेगी। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री मोहन यादव सीतापुर, बहराइच, कैसरगंज तथा गोण्डा लोकसभा क्षेत्र के समूह प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभालेगें। सांसद मनोज तिवारी उन्नाव, मोहन लालगंज, लखनऊ तथा बाराबंकी लोकसभा क्षेत्रों के समूह प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभालेगें। भाजपा ने व्यापक कार्यक्रम बनाया है और इसके लिए अलग–अलग लोगों को जिम्मेदारी सौंपी है।

भाजपा मगरमच्छ या अजगर की तरह, जो भी उनके साथ जाता है, वे निगल जाते हैं : संजय राउत

मुम्बई। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ते। नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर विवाद मचा ही था, तब तक संजय राउत ने एक और बड़ा बयान दे दिया। संजय राउत का यह बयान फिलहाल चर्चा में बना हुआ है। दरअसल, संजय राउत ने भाजपा की तुलना मगरमच्छ या अजगर से की और साथ ही कहा कि जो भी उनके साथ जाता है, उसे वह निकल जाते हैं। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि उद्धव ठाकरे ने भाजपा से अपना रास्ता अलग किया। दरअसल, शिवसेना सांसद गजानन कीर्तिकर के बयान पर संजय राउत अपनी टिप्पणी कर रहे थे। गजानन कीर्तिकर ने एनडीए में उनकी पार्टी के साथ सौतेला व्यवहार की शिकायत की थी। गजानन कीर्तिकर के बयान ने संजय राउत को भाजपा पर निशाना साधने का बड़ा मौका दे दिया। संजय राउत ने कहा कि शिवसेना ने खुद को भाजपा से दूर कर लिया क्योंकि वह हमें खत्म करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा मगरमच्छ या अजगर की तरह है। जो भी उनके साथ जाता है, वे निगल जाते हैं। अब वे (शिवसेना सांसद और विधायक, जिन्होंने नेतृत्व के खिलाफ बगावत की थी) महसूस करेंगे कि इस मगरमच्छ से दूरी बनाने के लिए उद्धव ठाकरे का रुख सही था। राउत ने कहा कि यही कारण ता कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद उनकी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने २०१६ में भाजपा से दूरी बना ली। संजय राउत ने दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में काफी बेचैनी

है। उन्होंने कहा कि गजानन कीर्तिकर ने जो बात कही है वही शिवसेना (यूबीटी) का भी रुख है। वे (भाजपा) अपनी बात पर कायम नहीं रहे, उन्होंने शिवसेना के विधायकों को फंड नहीं दिया और शिवसेना नेताओं का अपमान करने का प्रयास किया। आपको बता दें कि शिवसेना सांसद कीर्तिकर ने कहा था कि हम राजग का हिस्सा हैं...इसलिए हमारा काम उसी के अनुसार होना चाहिए और (राजग) घटकों को (उपयुक्त) दर्जा मिलना चाहिए। हमें लगता है कि हमारे साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है।

स्नेह पाकर और मेहनत करने की ताकत मिलती है: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेतृत्व में एनडीए सरकार के ९ साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा मोदी सरकार की उपलब्धियां गिना रगी हैं। इन सब के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्वीट सामने आया है। मोदी ने कई ट्वीट्स का जवाब देते हुए कहा कि स्नेह पाकर और मेहनत से काम करने की ताकत मिलती है। मोदी ने ट्वीट में कहा कि मैं सुबह से सरकार के ९ साल पूरे होने पर कई ट्वीट्स देख रहा हूं, जिसमें लोग २०१४ के बाद से हमारी सरकार की सराहना कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि इस तरह का स्नेह पाकर हमेशा विनम्र होता हूं और इससे मुझे लोगों के लिए और भी अधिक मेहनत करने की ताकत मिलती है। एक अन्य ट्वीट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने पिछले ९ वर्षों में बहुत कुछ किया है और हम आने वाले समय में और भी अधिक करना चाहते हैं ताकि हम अमृत काल में एक मजबूत और समृद्ध भारत का निर्माण कर सकें। उन्होंने कहा कि हमारी उपलब्धियां इसलिए संभव हो पाई हैं क्योंकि भारत के लोगों ने एक स्थिर सरकार चुनी है जो प्रमुख वादों को पूरा करने में सक्षम रही है। यह अद्वितीय समर्थन

महान शक्ति का स्रोत है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एनडीए सरकार ने जीवन को बदलने और भारत की विकास यात्रा को गति देने के लिए कई प्रयास किए हैं। एक अन्य ट्वीट पर उन्होंने कहा कि आपने प्रमुख बुनियादी ढांचे और 'ईज ऑफ लिविंग' परियोजनाओं पर प्रकाश डाला है जो जमीनी स्तर पर बहुत प्रभावशाली रही हैं। मोदी ने कहा कि १४० करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने का अवसर पाकर मैं वास्तव में बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। भले ही मोदी सरकार के ९ साल पूरे होने पर विपक्ष कई सवाल खड़े कर रहा है लेकिन भाजपा उसका जवाब भी दे रही है। इससे पहले भाजपा के रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आज भारत, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आज १६ हजार करोड़ रुपये का डिफेंस एक्सपोर्ट हो रहा है। भारत मोबाइल मैन्यूफेक्चरिंग में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मैन्यूफेक्चरर बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत में डिजिटल पेमेंट का आंकड़ा १० बिलियन ड लर का है। चाहे डिजिटल इंडिया हो, डिजिटल पेमेंट हो, जीएसटी, मोबाइल मैन्यूफेक्चरिंग, सड़कें, एयरपोर्ट, बिजली, किसानों की बात हो, नेशनल हाईवे की बात हो, स्टार्टअप इंडिया की बात हो, आज विकास के हर क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मोदी सरकार के नौ साल के दौरान केवल बड़े बड़े वादे किए गएटी : एमसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के नौ साल पूरे होने पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने शुक्रवार को कहा कि पिछले नौ वर्षों को वादों को पूरा करने में नाकाम रहने और विनाशकारी नीतिगत फैसलों के तौर पर याद किया जाएगा। राज्यसभा में टीएमसी के पार्टी नेता डेरेक ओब्रायन ने कटाक्ष करते हुए ट्विटर पर लिखा कि बीते नौ बरस में बड़े–बड़े वादे किए गए लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया गया तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की अहम उपलब्धियों में देश की संस्थाओं को कमजोर करना और विपक्ष को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करना शामिल है। उन्होंने ट्विटर पर कहा कि नौ सालों में सरकार वादों को पूरा करने में नाकाम रही और विनाशकारी नीतिगत फैसले किए गए। सांसद ने कहा , " विफलता के नौ सालः महंगाई रोकने में नाकाम। नौकरियां प्रदान करने में विफल। सामाजिक सौहार्द को तबाह किया। संघवाद को तबाह किया। संसद से लेकर निर्वाचन आयोग तक भारतीय संस्थानों को कमजोर किया। विरोधियों को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया। नोटबंदी? कृषि विधेयक? श्रमिक विरोधी संहिता? उद्योग विरोधी विनिवेश? लाभकारी पीएसयू का निजीकरण? नौ साल।बड़े–बड़े वादे। पूरा कराने में नाकाम रहे।" भाजपा ने मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर टीएमसी की आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि यह अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने का प्रयास है। प्रदेश भाजपा प्रमुख सुकांत मजूमदार ने कहा, "टीएमसी को पिछले १२ साल से पश्चिम बंगाल की सत्ता में रहने के दौरान पहले अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करना चाहिए। राज्य सरकार और सत्तारूढ़ दल भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं, और इसकी प्रशासनिक विफलता बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति से स्पष्ट है।

झूठे वादों और जनता की दुर्दशा पर भाजपा ने खड़ी की ९ साल की इमारत : राहुल गांधी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के ९ साल पूरे हो गए हैं। ९ साल पूरे होने पर भाजपा जहां प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों की बखान कर रही है। तो वहीं कांग्रेस जबरदस्त तरीके से मोदी सरकार पर हमला किया है। इन सब के बीच आज कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा गया और उनसे ९ सवाल पूछे गए। कांग्रेस ने साफ तौर पर कहा है कि प्रधानमंत्री इन सवालों पर अपनी चुप्पी तोड़े। इन्हीं सवालों को लेकर अब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने इसको लेकर एक ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में राहुल गांधी ने दिखाकर झूठे वादों और जनता की दुर्दशा पर भाजपा ने खड़ी की ९ साल की इमारत! राहुल गांधी ने कांग्रेस के ९ सवाल वाले पोस्ट को साझा करते हुए कहा कि महंगाई, नफरत और बेरोजगारी– प्रधानमंत्री जी, अपनी इन नाकामियों की लीजिए जिम्मेदारी! इससे पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि च्ड मोदी चुप्पी तोड़िए। देश से जुड़े इन ९ जरूरी सवालों के जवाब दीजिए। पवन खेड़ा ने कहा कि आज च्ड मोदी को माफी दिवस मनाना चाहिए। बीते ९ साल में

जितनी बातें इन्होंने मेनिफेस्टो, वादों, भाषणों और मन की बात में की, वो सब काल्पनिक हैं। ९ साल का हिसाब मांगने पर ९०० साल पीछे मत ले जाइए। ९ साल में आपने क्या किया, ये बताइए। सुप्रीया श्रीनेत ने कहा कि बीते ९ वर्षों में देश ने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार का तांडव देखा है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि मोदी सरकार ने जो दावे किए, वो झूठे साबित हुए। ऐसे में सरकार को अपनी श्नाकामी का उत्सवश मनाना चाहिए। और अब च्ड मोदी को एक प्रेस क न्फ्रेंस कर ही देनी चाहिए। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के नौ साल पूरे होने पर शुक्रवार को महंगाई, बेरोजगारी एवं कुछ अन्य विषयों पर उससे नौ सवाल पूछे और कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने वादों को पूरा नहीं करके देश के साथ जो विश्वासघात किया है उसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। मुख्य विपक्षी दल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने जो वादे किये थे, वह काल्पनिक थे और कोई वादा पूरा नहीं हुआ। कांग्रेस ने नौ साल, नौ सवाल शीर्षक से एक पुस्तिका भी जारी की और कहा कि २६ मई को प्रधानमंत्री मोदी को माफी दिवस के रूप मनाना चाहिए।

नीति आयोग की बैठक में नहीं आए ८ मुख्यमंत्री, भाजपा ने पूछा- मोदी विरोध में आप कहां तक जाएंगे?

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में नए कन्वेंशन सेंटर में पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की आठवीं बैठक चल रही है। इस बैठक का विषय शविकसित भारत/२०४७रू रोल अ फ टीम इंडियाश है। हालांकि, इस बैठक से आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दूसरी बना ली है। इसकी को लेकर भाजपा हमलावर हो गई है। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने साफ तौर पर पूछा है कि आप मोदी विरोध में आप कहां तक जाएंगे? उन्होंने कहा कि आज नीति आयोग की बैठक में ८ मुख्यमंत्री नहीं आए। नीति आयोग देश के विकास और योजनाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्रसाद ने बताया कि इस बैठक के लिए १०० मुद्दे तय किए गए हैं, अब जो मुख्यमंत्री नहीं आए हैं वो अपने प्रदेश की जनता की आवाज यहां तक नहीं ला रहे हैं। भाजपा नेता ने आगे कहा कि गवर्निंग काउन्सिल में महत्वपूर्ण चर्चा होती है, महत्वपूर्ण फैसले होते हैं और उसके बाद ये फैसले जमीन पर लागू होते हैं। लेकिन बावजूद इसके भी ये मुख्यमंत्री क्यों नहीं आ रहे? ये मुख्यमंत्री अपने प्रदेश की जनता का अहित क्यों कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि यह सब बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, गैर जिम्मेदाराना है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग राज्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं, क्षेत्रों और रणनीतियों की साझा ष्टि विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि पूरे देश के विकास के लिए संपूर्ण नीति–ढांचे और रोड मैप का निध र्ारण करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण निकाय है। नीति आयोग की शीर्ष इकाई, परिषद में सभी

राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उप–राज्यपाल और विभिन्न केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन हैं। बैठक में केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल के अलावा उत्तर प्रदेश, असम, झारखंड और मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हैं। पश्चिम बंगाल, पंजाब और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों ने बैठक का बहिष्कार किया है। परिषद की पूर्ण बैठक हर साल होती है। पिछले साल मोदी की अध्यक्षता में यह बैठक सात अगस्त को हुई थी। परिषद की पहली बैठक आठ फरवरी, २०१५ को हुई थी। कोरोना वायरस महामारी के कारण २०२० में बैठक नहीं बुलायी गयी थी।

आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर कार डिवाइडर से टकरायी, महिला अधिकारी समेत दो की मौत

इटावा। इटावा जिले के सैफई क्षेत्र में एक कार के डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त्त हो जाने से उस पर सवार एक महिला अधिकारी और उनकी बुजुर्ग मां की मृत्य्यु हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि दिल्ल्ली में खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर तैनात ऊषा किरण (५७) अपने माता–पिता और भाई के साथ मंगलवार को गाजियाबाद से लखनऊ जा रही थीं। देर शाम इटावा जिले के सैफई क्षेत्र में आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर करहल मोड़ के पास उनकी कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गयी। उन्होंने बताया कि इस हादसे में ऊषा की मौके पर ही मृत्यु हो गयी जबकि उनकी मां शांति देवी (७४) ने सैफई मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना में घायल ऊषा के पिता भूप नारायण और भाई दिनेश कुमार को उनके परिजन ने गाजियाबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया है।

अंग्रेजों के जमाने में बना भारत का संसद भवन अब सिर्फ इतिहास में रह जाएगा।

लखनऊ। अंग्रेजों के जमाने में बना भारत का संसद भवन अब सिर्फ इतिहास में रह जाएगा। मौजूदा संसद भवन के पास नए संसद भवन की वो तस्वीरें आ गई हैं, जिसका हर किसी को इंतजार था। ये तस्वीरें हर भारतीयों को गौरवान्वित करने के लिए काफी हैं। नए संसद के एंट्री गेट से लेकर ऊपर लगा विशाल अशोक स्तंभ तक सभी नजर आ रहा है। पुराने संसद के बगल में तिकोने आकार में शानदार नई संसद की बिल्डिंग नजर आ रही है। अंदर लोकसभा और राज्यसभा का विशाल सदन दिख रहा है। नई संसद का ये ट्रेलर खुद पीएम मोदी ने ट्विटर पर पोस्ट किया और लोगों से एक खास रिक्वेस्ट भी कर डाली। पीएम मोदी ने कहा कि नया संसद भवन हर भारतीयों को गर्व से भर देगा। नई संसद भवन की इमारत भारत के लोगों की सामूहिक आशाओं और लोकतांत्रिक चेतना का प्रतिनिधित्व करती है। भारत की स्वतंत्रता के ७५वें वर्ष में इसकी स्थापना हमारे सभ्यतागत लोकाचार में निहित मूल्यों के गहन जागरण का प्रतीक भी है। इमारत का ट्रायंगुलर डिजाइन २०१६ में शुरू की गई सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना का हिस्सा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की उभरती जरूरतों के अनुरूप एक कॉम्पैक्ट प्रशासनिक क्षेत्र के साथ ब्रिटिश युग के औपनिवेशिक झलक को

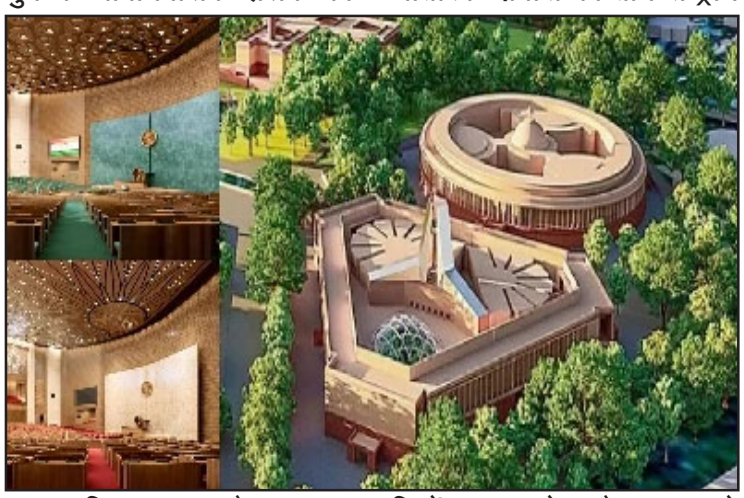

बदल दिया गया है। इसका ज्यामितीय विन्यास कई धर्मों और मान्यताओं के अनुसार पवित्र है। भारत की संस्कृति में त्रिभुज का अपना बेहद ही अनूठा महत्व है। इसका जिक्र वैदिक संस्कृत में भी मिलता है, जिसे त्रिकोण कहा जाता है। कई तरह के तांत्रिक अनुष्ठानों के दौरान भी त्रिकोण आकृति की बनाई जाती है। इसे पवित्र श्री यंत्र से भी प्रेरित बताया जा रहा है। सेंट्रल कोर्टयार्ड के साथ ६५,००० वर्ग मीटर में फैले नए भवन में लोकसभा, राज्यसभा, संवैधानिक ह ल, लाउंज, सेवा क्षेत्र और अन्य कार्यालय हैं।इसकी आंतरिक दीवारों को तीन राष्ट्रीय चिह्नों कमल, मोर और बरगद के पेड़ के प्रमुख रूपांकनों से सजाया गया है। पूरी इमारत में कला के लगभग ५,००० काम हैं, जिनमें पेंटिंग, दीवार पैनल, पत्थर की मूर्तियां, धातु के चित्र शामिल हैं। द एशियन एज की रिपोर्ट के अनुसार नई संसद में छह प्रवेश द्वार हैं गजद्वार, अश्वद्वार, गरुड़द्वार, हंसद्वार, मकरद्वार और शार्दुलद्वार हैं और प्रत्येक को बलुआ पत्थर से बने संरक्षक मूर्तियों से सजाया गया है। नए संसद भवन में महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस और देश के अन्य प्रधानमंत्रियों के चित्र होंगे। कोणार्क के सूर्य मंदिर के पहिये के एक मॉडल के साथ भवन में बहुश्रुत कौटिल्य का एक चित्र स्थापित किया गया है। सार्वजनिक प्रवेश द्वार तीन दीर्घाओं की ओर ले जाते हैं। संगीत दीर्घा भारत की नृत्य, गायन और वाद्य परंपराओं की समृद्धि को प्रदर्शित करती है। प्रख्यात संगीतकारों या उनके परिवार के सदस्यों ने दीर्घा को अपने वाद्य यंत्र भेंट किए हैं। इनमें उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, पंडित रविशंकर, उस्ताद अमजद अली खान, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया, विद्वान एन. रमानी और पंडित शिव कुमार शर्मा शामिल हैं। शिल्पा गैलरी सभी भारतीय राज्यों के बहुमुखी और विशिष्ट हस्तशिल्प को प्रदर्शित करती है। इन सबके अलावा 'जन जननी–जन्मभूमि' थीम पर आधारित एक पीपुल्स वॉल भी है, जिसमें लोक और जनजातीय परंपराओं और ७५ महिला जमीनी कलाकारों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स को दर्शाया गया है। पार्लियामेंट आर्ट गैलरी के केंद्रीय विषयों में से एक इसका संवैधानिक खंड है जो भारत की अनूठी सभ्यता यात्रा को ष्लोकतंत्र की जननीष के रूप में प्रदर्शित करता है। संवैधानिक दीर्घा को इसके निचे में स्थापित फ्रेस्को कलोंति से भी सजाया गया है। इसमें मुख्य रूप से नंदलाल बोस द्वारा बनाई गई पेंटिंग शामिल हैं। भवन की सभी कलोंतियां जमीनी स्तर के कलाकारों द्वारा बनाई गई हैं। इस इमारत को बनाने में योगदान देने वाले लगभग ६०,००० श्रमिकों के प्रयासों को ष्हैंड्स दैट मेड इट हैपनष नामक एक डिजिटल फ्लिपबुक पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। इस संसद की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यहां धार्मिकता और कानून के शासन के प्रतीक के रूप में एक 'सेनगोल' स्थापित किया जाएगा। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत होगा। निःसंदेह यह नया भवन हमारी संस्कृति का जीता जागता संग्राहलय साबित होगा और वह आधार होगा जिस पर एक अरब से अधिक लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति होगी।

नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर बिहार में सियासत तेज

पटना। संसद भवन का उद्घाटन दिल्ली में होना है, लेकिन बिहार में सियासत गर्म है। इस बीच, लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने संसद भवन के उद्घाटन का स्वागत किया है। दिल्ली में रविवार यानी २८ मई को नए संसद भवन का उद्घाटन होने जा रहा है। उद्घाटन समारोह का विपक्षी दलों ने वहिष्कार की घोषणा की है। विपक्षी पार्टियां इस समारोह में राष्ट्रपति को आमंत्रित नहीं किए जाने को लेकर सवाल उठा रहे हैं। इधर, चिराग पासवान ने प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर उद्घाटन का स्वागत किया है। चिराग ने पत्र में संसद को लोकतंत्र की पवित्र संस्था बताते हुए लिखा है कि इस भवन में उन नीतियों पर फैसला होता है, जो सीधे जनता से जुड़ी होती है। भारत और भारतीयों के बेहतर भविष्य को निर्धारित करने में भारतीय संसद की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पत्र में आगे लिखा गया है कि ऐसे में १६ विपक्षी दलों द्वारा नये संसद भवन के उद्घाटन के विरोध के फैसले की मैं और मेरी पार्टी घोर निंदा करती है। उन्होंने कहा कि ऐसी महान संस्था के प्रति विपक्षी दलों द्वारा यह अनादर व अपमान लोकतंत्र की मूल आत्मा और मर्यादा पर कुठाराघात है। उन्होंने यह भी लिखा है कि पिछले नौ सालों से इन विपक्षी दलों ने बार–बार संसदीय प्रक्रियाओं–नियमों की अवमानना की है, सत्रों को बाधित किया है। उन्होंने इन विपक्षी दलों को निशाने पर लेते हुए आगे लिखा कि हमारे देश की वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रति इनका दिखाया गया अनादर राजनीतिक मर्यादा के निम्नस्तर पर पहुंच गया, उनकी उम्मीदवारी का घोर विरोध न केवल उनका अपमान था, बल्कि हमारे देश की अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का सीधा अपमान हुआ। दो पेज के इस पत्र में चिराग ने संसद भवन के उद्घाटन समारोह के लिए पीएम को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी है।

भाजपा पश्चिम बंगाल में मणिपुर जैसी स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रहीः ममता बनर्जी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जातीय दंगों की साजिश रचकर राज्य में मणिपुर जैसी स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रही है। बनर्जी ने राज्य की मंत्री बीरबाहा हंसदा के वाहन पर हमले की निंदा की और कहा कि शुक्रवार की इस घटना के पीछे कुर्मी समुदाय के सदस्यों का नहीं, बल्कि भाजपा कार्यकर्ताओं का हाथ था। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख बनर्जी ने दावा किया कि अगले छह महीनों में केंद्र में सत्ता परिवर्तन होगा और ''लोगों के अधिकार बहाल होंगे, और नफरत की राजनीति खत्म हो जाएगी।'' उन्होंने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबनी में एक रैली में कहा, ''मणिपुर में जातीय हिंसा के पीछे भाजपा का हाथ था। भाजपा पश्चिम बंगाल में विभिन्न समुदायों के बीच इसी तरह के दंगों को भड़काने की कोशिश कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''वह ऐसी स्थिति पैदा करना चाहती है, जिसमें आदिवासी कुर्मी से लड़ें, ताकि सेना को बुलाया जा सके और सेना को देखते ही गोली मारने का आदेश हो। इलाके में अशांति फैलाने के लिए भाजपा भारी मात्रा में पैसा झोंक रही है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जातीय दंगों को भड़काने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस महीने की शुरुआत में, मणिपुर में मैतेई और कुकी के बीच जातीय हिंसा में ७० से अधिक लोगों की जान चली गई थी। हालात पर काबू पाने के लिए कर्फ्यू लगाने के साथ १०,००० सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था और इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं। आदिवासी बहुल जिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी के काफिले पर कथित तौर पर पथराव किया गया और इस काफिले में मंत्री का वाहन भी शामिल था, जो क्षतिग्रस्त हो गया। मुख्यमंत्री ने टीएमसी के जनसंपर्क अभियान 'तृणमूल नवज्वार' को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं कल की हिंसा की निंदा करती हूं जिसमें मंत्री बीरबाहा हंसदा के वाहन पर लाठियों और पत्थरों से हमला किया गया था। वह एक सम्मानित आदिवासी और मंत्री हैं। कुर्मी समुदाय की आड़ में भाजपा कार्यकर्ता इसके लिए जिम्मेदार थे।'' उन्होंने कहा, ''केंद्र ने मुझसे पूछा है कि मैंने बंगाल में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) कवायद के लिए कार्यबल का गठन क्यों नहीं किया है। मैं आपको विश्वास दिलाती हूं कि मैं ऐसा नहीं होने दूंगी।'' उन्होंने कहा, ''केंद्र में पिछले नौ साल के भाजपा शासन में देश की जनता ने बहुत कुछ सहा है। लेकिन चिंता न करें, छह महीने में यह दुख खत्म हो जाएगा। केंद्र सरकार बदलने वाली है, और देश भर में लोगों के अधिकार बहाल किए जाएंगे।'' इससे पहले, बनर्जी पूर्वी मेदिनीपुर जिले के एगरा इलाके में ११ दिन पहले अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में मारे गए और घायल हुए लोगों के परिजनों से मिलीं।

सड़क दुर्घटनाः सीआरपीएफ उप निरीक्षक समेत दो की मौत, पांच जख्मी

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी जिले के कुरावली क्षेत्र में तेज रफ्तार से जा रही एक कार की टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक उप निरीक्षक और उनकी पत्नी की मौत हो गयी तथा पांच अन्य घायल हो गये। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि सीआरपीएफ में सब इंस्पेक्टर के पद पर सोनीपत में तैनात जबर सिंह (५५) अपने बेटे की शादी के सिलसिले में छुट्टी पर शरीफपुर गांव में स्थित अपने घर आए थे। मंगलवार को वह अपनी पत्नी ममता देवी (५२) और बेटे सुरजीत के साथ मोटरसाइकिल से अपने गांव से मैनपुरी जा रहे थे। रास्ते में कुरौली

तहसील कार्यालय के सामने एक तेज रफ्तार कार ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में जबर सिंह, उनकी पत्नी, बेटे और वैन में सवार चार अन्य लोग घायल हो गये। उन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। गम्भीर हालत के मद्देनजर जबर सिंह और उनकी पत्नी ममता देवी को आगरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया है। कुमार ने बताया कि पुलिस ने टक्कर मारने वाली कार को कब्जे में ले लिया है और उसके चालक की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी यूएस यात्रा से पहले भारत को नाटो प्लस में शामिल करने की सिफारिश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजकीय यात्रा को लेकर तैयारियों में जुटे अमेरिका की ओर से एक बड़ी खबर आई है। दरअसल, अमेरिकी कांग्रेस की एक शक्तिशाली समिति ने 'नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) प्लस' में भारत को शामिल करने की सिफारिश की है। हम आपको बता दें कि नाटो प्लस (अभी नाटो प्लस ५) एक सुरक्षा व्यवस्था है जो नाटो और पांच गठबंधन राष्ट्रों– ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, इजराइल और दक्षिण कोरिया को वैश्विक रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए साथ लाती है। भारत को इसमें शामिल करने से इन देशों के बीच खुफिया जानकारी निर्बाध तरीके से साझा हो पाएगी और भारत की बिना किसी समय अंतराल के आधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी तक पहुंच बन सकेगी। अमेरिका और चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के बीच सामरिक प्रतिस्पर्धा संबंधी सदन की चयन समिति ने भारत को शामिल कर नाटो प्लस को मजबूत बनाने समेत ताइवान की प्रतिरोध क्षमता बढ़ाने के लिए एक नीति प्रस्ताव पारित कर दिया। इस समिति की अगुवाई अध्यक्ष माइक गालाघर और रैंकिंग सदस्य राजां ष्णमूर्ति ने की। चयन

समिति ने कहा, ''चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ सामरिक प्रतिस्पर्धा जीतने और ताइवान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका को हमारे सहयोगियों और भारत समेत सुरक्षा साझेदारों के साथ संबंध मजबूत करने की आवश्यकता है।श्श चयन समिति ने कहा कि नाटो प्लस में भारत को शामिल करने से हिंद प्रशात क्षेत्र में सीसीपी की आक्रामकता को रोकने और वैश्विक सुरक्षा मजबूत करने में अमेरिका तथा भारत की करीबी साझेदारी बढ़ेगी। हम आपको बता दें कि पिछले छह साल से इस प्रस्ताव पर काम कर रहे भारतीय–अमेरिकी रमेश कपूर ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस सिफारिश को राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून २०२४ में जगह मिलेगी और अंततरू यह कानून बन जाएगा। देखना होगा कि प्रधानमंत्री की अगले महीने होने वाली अमेरिका यात्रा के दौरान देश को और क्या उपलब्धियां हासिल होती हैं। वैसे बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के भारत दौरे के दौरान होने वाली उनकी वार्ता 'शांति, समृद्धि, पृथ्वी और जन' पर केंद्रित रहेगी। भारत में नियुक्त अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने संवाददाताओं से इस बारे में कहा कि पूरी धरती को भारत और अमेरिका के बीच प्रगाढ़ होते संबंधों से उम्मीदें हैं। राजदूत ने कहा, ''चार महीनों में, हमारे नेता तीसरी बार एक–दूसरे से मिलेंगे, और शायद जैसा कि मैंने कहा है कि यह स्वाभाविक महसूस होता है...मुझे लगता है कि जब प्रधानमंत्री (मोदी) वाशिंगटन आएंगे तब आप शांति, समृद्धि, धरती पर किये जाने वाले कार्य और हमारे लोगों को आपस में जोड़ने को देखेंगे। साथ ही, आप राष्ट्रपति (बाइडन) की भारत की यात्रा के दौरान इसे और प्रगाढ़ होते देखेंगे।''उन्होंने दोनों नेताओं की यात्राओं के मुख्य उद्देश्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मुझे उम्मीद है कि वह (बाइडन) न सिर्फ दिल्ली की यात्रा करेंगे, बल्कि देश में अन्य स्थानों पर भी जाएंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के न्योते पर जून के तीसरे हफ्ते में अपनी पहली राजकीय यात्रा पर अमेरिका जाएंगे। वहीं, जी२० शिखर सम्मेलन में शरीक होने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के सितंबर में भारत की यात्रा करने की उम्मीद है। अमेरिकी राजदूत गार्सेटी ने भारत के साथ अमेरिका के संबंधों पर कहा कि दोनों देशों की सेनाएं साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, और भारत सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास अमेरिका के साथ करता है। उन्होंने कहा, ''हम हिंद–प्रशांत को सुरक्षित और समृद्ध बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।'' इस साल भारतीयों को जारी किये जाने वाले वीजा की संख्या के बारे में अमेरिकी राजदूत ने कहा कि अमेरिका इस साल १० लाख वीजा जारी करने की प्रक्रिया में जुटा हुआ है।

कोटेदार पर किशोरी से किया दुष्कर्म का आरोप

लखनऊ। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र में एक राशन कोटेदार द्वारा १४ वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म करने व तमंचा सटाकर धमकाने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को लेकर किशोरी के परिजनों की ओर से आरोपी कोटेदार के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। लिखित शिकायत में किशोरी के परिजनों ने बताया कि मोहल्ले के रहने वाले कोटेदार संजय सोनकर ने उनकी बेटी को बहला–फुसलाकर प्रेम जाल में फंसाया। इसी बीच जनवरी २०२३ में आरोपी ने किशोरी को अपने घर बुलाकर जोर जबरदस्ती की। विरोध करने पर तमंचा सटाकर जान से मारने की धमकी दी और दुष्कर्म किया। साथ ही अश्लील वीडियो भी बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी करीब चार माह तक किशोरी से दुष्कर्म करता रहा। इसी बीच किशोरी गर्भवती हो गई। पेट मे दर्द की शिकायत पर जब परिजनों ने अस्पताल में दिखाया तो किशोरी के गर्भवती होने की जानकारी दी। पूछने पर किशोरी ने पूरी बात बताई। इसके बाद परिजनों की ओर से कोटेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। हसनगंज प्रभारी निरीक्षक अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि किशोरी का मेडिकल कराया जा रहा है। आरोपी कोटेदार की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

दहेज हत्या में दोषी पति को आजीवन कारावास

महराजगंज। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले की एक स्थानीय अदालत ने सात साल पुराने दहेज हत्या के एक मामले में पति को दोषी ठहराते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनायी है तथा उस पर १५ हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) संतोष मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश पवन कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मृतक महिला के पति संजय को दोषी करार दिया और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोषी पर १५ हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने साक्ष्य के अभाव में अन्य दो आरोपियों को बरी कर दिया। मिश्रा ने बताया कि प्रीति की जून २०११ में कोठीभार थाना क्षेत्र निवासी संजय पटेल के साथ शादी हुई थी। घटना के वक्त २१ साल की आयु की प्रीति १८ मार्च २०१६ को पति से झगड़े बाद लापता हो गयी

थी और अगले दिन उसका शव निचलौल थाना क्षेत्र के सेमरा चौराहे से बरामद हुआ था। उन्होंने बताया कि मृतक महिला के पिता रामलाल पटेल ने प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर प्रीति के पति और सास–ससुर ने उनकी बेटी की हत्या कर दी।

सीएचसी मोहनलालगंज का जायजा लेने पहुंची सीडीओ रिया केजरीवाल अव्यवस्था देख जताई नाराजगी

लखनऊ। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज का जायजा लेने पहुंची सीडीओ रिया केजरीवाल अव्यवस्था देख नाराजगी जताई। नाराज सीडीओ ने एक महीने में सीएचसी की सूरत बदलने की हिदायत दी। मोहनलालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का शुक्रवार को औचक निरीक्षण करने पहुंची सीडीओ रिया केजरीवाल को सफाई व्यवस्था चौपट मिली। खिड़कियों की जाली टूटी और कुछ दरवाजे भी गड़बड़ मिले। पानी की जर्जर पाइपलाइन से वार्डों में सीलन फैली नजर आई। सीएचसी के अधिकतर शौचालय

बदतर हालत में मिले और ओपीडी में पुरुष शौचालय का पल्ला गायब मिला। ओपीडी से लेकर महिला वार्ड तक कई जगह पंखे गायब मिले। डाक्टरों के कमरे से पर्दे और मरीजों को जानकारी देने के लिए डिस्प्ले बोर्ड भी नदारद मिला। वहीं डेन्टिस्ट गैर हाजिर मिलीं। जिसे लेकर सीडीओ ने नाराजगी जताई। सीडीओ ने सीएचसी अधीक्षक डॉ. अशोक कुमार को स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की मदद से महीने भर में सीएचसी की तस्वीर बदलने के निर्देश दिए। इस दौरान बीडीओ पूजा सिंह और एसीएमओ भी मौजूद रहे।

एनआईए ने टेरर फंडिंग मामले में मप्र में १३ जगहों पर की छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने मध्य प्रदेश में टेरर लिंक और टेरर फंडिंग से जुड़े मामले में १३ से ज्यादा जगहों पर छापेमारी की

है। एनआईए की टीमों ने मामले में कथित आरोपियों से संबंधित परिसरों पर शनिवार सुबह छापेमारी शुरू की। फिलहाल इस मामले में एनआईए ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। एक सूत्र ने दावा किया कि यह मामला जेएमबी (जमात– उल–मुजाहिदीन), बांग्लादेश के कैडर से संबंधित है। इस मामले में एनआईए ने छह बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बिना किसी वैध दस्तावेज के अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था, और भारत में अपने हमदर्दों की मदद से जाली भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल किए थे। इससे पहले सप्ताह में, एनआईए ने मप्र में कई जगहों पर छापेमारी की थी, इसमें कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड, पासबुक और संदिग्ध आतंकी लेनदेन से संबंधित पहचान दस्तावेज जब्त किए गए थे।

धार्मिक स्थलों से उतरवाए गए लाउडस्पीकर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धार्मिक स्थलों पर नियम विरुद्ध तरीके से लाउड स्पीकर बजाने के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। इसे लेकर लखनऊ पुलिस की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को पश्चिमी जोन में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान डीसीपी पश्चिम राहुल राज और एडीसीपी चिरंजीव नाथ सिन्हा के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस फोर्स ने चौक क्षेत्र में गली–गली घूम कर धार्मिक स्थलों पर मानक के विरुद्ध लगे हुए लाउड स्पीकर उतरवाये। डीसीपी राहुल राज के नेतृत्व में शुक्रवार शाम करीब ६:३० बजे पुलिस टीम चौक क्षेत्र पहुंची। टीम ने पूरे क्षेत्र की पैदल गश्त करते हुए कुल पांच धार्मिक स्थलों पर मानक के विरुद्ध काफी ऊंचाई पर लगाये गये स्पीकर्स को उतरवाया। वहीं कुछ जगहों पर पुलिस को देखते ही लोगों ने खुद ही स्पीकर उतार दिये। इस दौरान रिफा क लोनी तीन ऐसी जगहों पर स्पीकर लगे मिले, जहां पूर्व में स्पीकर उतरवाये जा चुके थे। चेतावनी देकर दोबारा स्पीकर उतरवाये गये।

कार्यकर्ता नये जोश के साथ आगे बढ़ें: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को उत्तराखंड के पार्टी कार्यकर्ताओं से कमियों को दूर कर नये जोश के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले राज्यवार संगठन की समीक्षा की श्रृंखला में बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को उत्तराखंड राज्य की समीक्षा के लिए वहां के वरिष्ठ और जिम्मेदार नेताओं के साथ बैठक की। यहां बसपा की ओर से जारी बयान के अनुसार बैठक में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उत्तराखंड राज्य में पार्टी संगठन की मजबूती तथा जनाधार को बढ़ाने संबंधी कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए कमियों

को दूर करने पर जोर दिया। बसपा प्रमुख ने कहा कि कमियों को दूर करके नये जोश के साथ आगे बढ़ें और अपने कार्यों को जन–जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड (जब उप्र का बंटवारा नहीं हुआ था) के विकास के लिए बसपा की सरकारों में अनेक आधारभूत कार्य किये गये हैं जिसके कारण पार्टी को आगे बढ़ने की भरपूर गुंजाइश है। उन्होंने अपनी सरकारों में उधम सिंह नगर, बागेश्वर, चंपावत और रुद्रप्रयाग को नया जिला बनाने जैसे कार्यों को भी गिनाया। बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि उत्तराखंड सरकार का रवैया जनकल्याणकारी ना होकर लोगों को उजाड़ने के जनविरोधी कृत्य जैसा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास के लिहाज से भी सरकार का दृष्टिकोण व्यावसायिक नहीं है।

राशन की दुकान पर कपड़े, दूध, घी समेत 35 तरह के सामान मिलेंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राशन की दुकानों पर अब दूध, मसाले, गुड़, घी, मेवा, साबुन, इलेक्ट्रानिक

सामान, दीवार घड़ी, प्लास्टिक की बाल्टी और अन्य सामान मिल सकेंगे। इतना ही नहीं इन दुकानों पर इलेक्ट्रॉनिक सामान समेत बच्चों के कपड़े भी मिलने की बात सामने आ रही है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। दरअसल, यूपी सरकार की मंशा है कि राशन के दुकानों की आय बढ़ाने के लिए राशन के अलावा करीब ३५ तरीके के सामान भी उपलब्ध हों। इसके लिए आने वाले समय में नई म डल श प्स बनाई जायेगी। इन दुकानों पर रोजमर्रा के सभी सामान मिल सकेंगे। सरकार ने अन्नपूर्णा म डल दुकानों के निर्माण का मन बनाया है, जिसका निर्माण ग्राम सभा की जमीन पर किया जायेगा। इसकी शुरूआत बरेली जिले से हो चुकी है। बरेली जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तहत करीब ५२ दुकानों का निर्माण कराया जा रहा है।

मेयर सुषमा खर्कवाल ने ली शपथ

लखनऊ। राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान स्थित हज़्ल में शुक्रवार को लखनऊ की नवनिर्वाचित मेयर सुषमा खर्कवाल ने शपथ ग्रहण किया। बीजेपी की नवनिर्वाचित मेयर सुषमा खर्कवाल को कमिश्नर रोशन जैकब ने शपथ

दिलाई।शपथ ग्रहण करने के बाद मेयर सुषमा खर्कवाल ने सभी नवनिर्वाचित पार्षदों को शपथ ग्रहण कराया। इस दौरान मेयर सुषमा खर्कवाल ने सेवाकार्य के लिए मौका देने के लिए लखनऊ के लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा कि लखनऊ को देश का बेहतरीन शहर बनाने के लिए कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जो पौधा अटल जी ने लगाया था, उसने विशाल वृक्ष का रूप ले लिया है। शहर के लोगों ने ३२ सालों से भाजपा पर भरोसा बनाये रखा है। इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने नवनिर्वाचित पार्षदों का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। लखनऊ पूरे प्रदेश का आईना है। लखनऊ को वर्ल्ड क्लाश सिटी बनाने के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के जिन दस शहरों की जमीनों की कीमतों में वृद्धि हुई है। दुनिया के उन दस शहरों में लखनऊ भी शामिल है। ऐसे में लखनऊ को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने के लिए प्रदेश सरकार खजाने की चाभी सुषमा खर्कवाल को सौंपेगी। कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, पूर्व उपमुख्यंत्री दिनेश शर्मा, पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया, विधायक नीरज बोरा, विधायक आशुतोष टंडन,डीएम सूर्यपाल गंगवार समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

खेलो इंडिया, आयोजकों पर भड़के कैलाश खेर

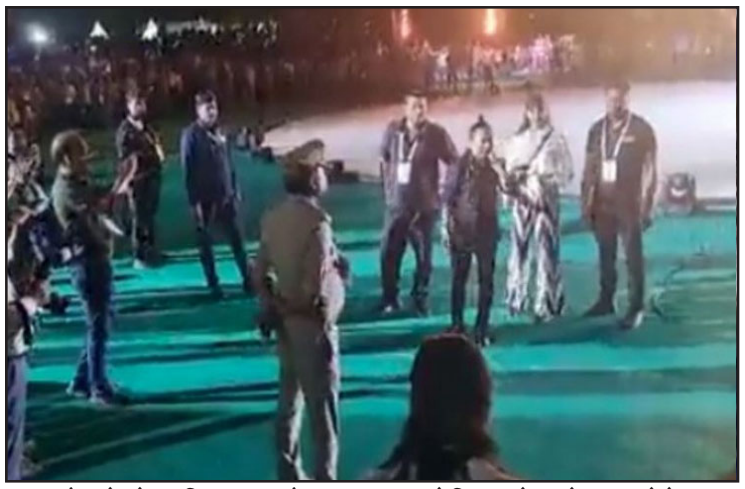

लखनऊ। गायक कैलाश खेर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें वह काफी नाराज दिख रहे हैं। वह सवाल करते हुये दिख रहे हैं कि तमीज नाम की चीज नहीं है। दिखाई पड़ रहे हैं। बताया जा रहा है कि जाम के चलते कैलाश खेर करीब एक घंटे तक ट्रैफिक में फंसे रहे। जिसके कारण वह समारोह में पहुंचे तो कार्यक्रम पेश करने लगे। इसी दौरान वह

क्या है खेलो इण्डिया। कैलाश खेर उस खेलो इंडिया गेम्स की बात कर रहे हैं। जिसका वर्चुअल उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी ने २५ मई को किया था। दरअसल, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के उद्घाटन समारोह के समय का यह वायरल वीडियो बताया जा रहा है। जिसमें कैलाश खेर नाराज आक्रोशित हो उठे। उन्होंने कहा कि एक घंटा इंतजार कराया तमीज नाम की चीज नहीं है। क्या है खेलो इंडिया, खेलो इंडिया तब है जब हम खुश हैं। जब घर वाले खुश होंगे, तब बाहर वाले खुश होंगे। तमीज सीखो, होशियारी झाड़ रहे हो, कोई किसी को काम करना नहीं आता।

जूही चावला ने शेयर की बेटी की ग्रेजुएशन–सेरेमनी की फोटो, बोलीं– मुझे अपनी बेटी पर गर्व है

मुंबई। बझूलीवुड अभिनेत्री जूही चावला ने अपनी बेटी जाह्नवी मेहता की ग्रेजुएशन–सेरेमनी की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की फोटो शेयर की है। जूही ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, मुझे अपनी बेटी पर गर्व है। जूही और उनके पति जय मेहता फोटो में अपनी बेटी के साथ पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं। जूही ने फोटो शेयर करते हुए लिखा– मुझे अपनी बेटी पर गर्व है। जूही और उनके पति

की है। जूही चावला की बेटी जाह्नवी मेहता कोलंबिया यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट हो गई हैं। जूही चावला ने इस मौके पर अपनी बेटी की ग्रेजुएशन सेरेमनी जय मेहता फोटो में अपनी बेटी के साथ पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं। सेरेमनी में जाह्नवी ने ब्लू कलर का ग्रेजुएशन रोब पहना हुआ है।

22 साल बाद फिर से रिलीज होगी सुपरहिट फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा'

मुंबई। बझूलीवुड अभिनेता सनी देओल और अभिनेत्री अमीषा पटेल की सुपरहिट फिल्म ‡गदररू एक प्रेम कथा‡ २२ साल के बाद फिर से रिलीज होगी। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'गदररू एक प्रेम कथा' वर्ष २००१ में रिलीज हुयी थी। इस फिल्म में सनी देओल ,अमीष पटेल और अमरीश पुरी ने अहम भूमिका निभायी थी। ‡गदररू एक प्रेम कथा‡ फिर से सिनेमाघरो में रिलीज होने जा रही है। सनी देओल ने सोशल अकाउंट के जरिए जानकारी दी है कि 'गदरः एक प्रेम कथा' ०६ जून को फिर से २२ साल बाद दर्शकों के सामने होगी। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'वही प्रेम, वही कथा, पर इस बार अलग होगा एहसास'। सनी ने बताया कि इसका ट्रेलर भी जल्द रिलीज होगा। गौरतलब है कि ‡गदररू एक प्रेम कथा‡ का

सीक्वल बनाया जा रहा है। 'गदर २: दि कथा कंटीन्यूज' की शूटिंग चल रही है। यह फिल्म ११ अगस्त को रिलीज होगी। इस फिल्म में सनी के साथ अमीषा , उत्कर्ष शर्मा, मनीष वाधवा, सिमरत कौर, लव सिन्हा नजर आएंगे।

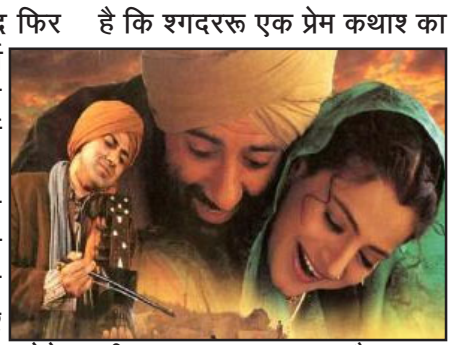

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lat; cktisbZ

lhrkiqj

eks-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lqjs’k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk dqekj] fcgkj

eks-09386075289

मो० अरशद

cgjkbp

eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar@yahoo.in

adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक